अग्रवाल समाज का द्वितीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन

कुरीतियों को मिटाने की पहल कर रहा समाज: चतुर्वेदी

जयपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरुण चतुर्वेदी का कहना है कि अग्रवाल समाज और भारतीय जनता पार्टी एक ही शब्द के दो अर्थ हैं। जब भी समाज को मार्गदर्शन की जरूरत होती है तो अग्रवाल समाज सबसे आगे आता है। चतुर्वेदी रविवार को निर्माण नगर स्थित जयेश गार्डन में अग्रवाल परमार्थ सेवा समिति की ओर से आयोजित द्वितीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन में बतौर उद्घाटनकर्ता के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि परिचय सम्मेलन करवाकर अग्रवाल समाज दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को मिटाने की पहल कर रहा है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज और भाजपा का रिश्ता भारतीय जन संघ के जमाने से है, जो आगे भी ऐसा ही रहेगा। इस मौके पर उन्होंने समाज के लिए भूमि आवंटन करने का आश्वासन भी दिया।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते मंत्री अरुण चतुर्वेदी व अन्य।

कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए दो हजार से अधिक युवक-युवतियों ने पंजीयन करवाया और उचित वर-वधू की तलाश की। विशिष्ट अतिथि समाज मंत्री नागरमल अग्रवाल ने बदलते लिंगानुपात पर चिंता व्यक्त की। विशिष्ट अतिथि के तौर पर गोपाल अग्रवाल मौजूद थे। समिति के अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में 60 प्रतिशत ऐसे युवक-युवतियों ने पंजीयन करवाया है, जिनके पास व्यावसायिक डिग्री है।

आखिरी पड़ाव में मांग रही भीख

'महिला बाल विकास विभाग' के दावों की खुल रही पोल

'समाज कल्याण विभाग' के पास नहीं कोई तोड़ फिर बढ़ी भिखारियों की तादाद

शहर में बीच सड़क पर भीख मांगती बुजुर्ग महिला व दूसरी ओर रामनिवास बाग में भीख मांगता विकलांग भिखारी। (छाया: पंजाब केसरी)

जयपुर (कासं): नारी को नारायणी के रूप में पूजने की परम्परा हमारे संस्कार रहे हैं। महिलाएं हर स्थिति में समाज को एक नई दिशा देने में सफल रही हैं लेकिन यदि राजधानी की सड़कों पर जेठ मास की तपती दोपहरी में नजर डाली जाए तो कई चौराहों पर बुजुर्ग महिलाएं भीख मांगती दिखाई दे जाएंगी। जबकि महिला एवं बाल विकास विभाग इनके विकास की विविध योजनाएं बनाकर महिलाओं के लिए विशेष कार्य करने के आंकड़े समय-समय पर जारी करता रहा है। महिला अधिकारिता महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए अलग से कार्य कर रहा है, लेकिन शायद महिलाओं की इस स्थिति पर विभाग के अधिकारियों का ध्यान तक नहीं जाता जो किन्हीं मजबूरियों के चलते सड़क पर भीख मांगने को मजबूर हो रही हैं। वहीं दूसरी ओर इन भिखारिनों से शहरवासी बेहद परेशान हो रहे हैं। कार के शीशों तक को तब तक खटखटाने से बंद नहीं होते जब तक या तो कार में बैठा व्यक्ति पैसा नहीं दे दे या फिर हरी बत्ती नहीं हो जाए।

लाचारी देख पसीज जाता है दिल

भीख मांगने के भी कई तरह के नुस्खे इजाद कर रखे हैं। बूढ़ी महिलाएं भीख मांगती हैं तो हर किसी का दिल बुजुर्ग महिला होने के नाते पसीज जाता है और राहगीर कुछ न कुछ जरूर दे देता है। ऐसे में यदि कोई नौजवान भीख मांगता है तो उसे कई तंज सुनने को मिल सकते हैं लेकिन इन बूढ़ी महिलाओं के लिए ऐसा नहीं है। गहराई से देखें तो कुछ मजबूरी के चलते भीख मांग रही हैं तो कुछ ने इसे अपना कारोबार ही बना रखा है। हालांकि दोनों ही स्थितियों में सवालिया निशान महिलाओं के विकास के लिए बड़ी-बड़ी डींग भरने वाले विभाग पर लग रहा है।

वृद्धावस्था पेंशन-वृद्धाश्रम का औचित्य क्या?

जब सड़कों पर वाहनों के बीच आकर ये महिलाएं भीख मांगती हैं तो वाहन चालक इनसे बेहद परेशान हो जाते हैं। उसीके साथ ग्रीन बत्ती होते ही वाहन चालकों को अपने वाहन निकालने तक में परेशानी होती है। इस रेलमपेल में दुर्घटना तक की स्थिति बन जाती है। ऐसे में वयोवृद्ध लोग जब सड़क पर भीख मांग रहे हैं तो फिर समाज कल्याण और महिला बाल विकास विभाग इनकी क्या नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है। जबकि वृद्धावस्था पेंशन और वृद्धाश्रम तक विभाग ने खोल रखे हैं।

भीख मांगने का गिरोह सक्रिय

इतना ही नहीं हर चौराहे पर कौन आदमी और महिला भीख मांगेंगे यह तक तय है। भिखारियों के भी क्षेत्र बंटे हुए हैं। ऐसे में दूसरे चौराहे पर जाकर भीख मांगना इनके लिए निषेध है। दबी जुबां में ये भिखारी भी स्वीकार करते हैं कि उनकी सीमा निर्धारित है। अब बात यह है कि आखिर इनको भीख मांगने के लिए किसने मजबूर कर रखा है। वहीं यह बात भी गंभीर है कि विभाग इन्हें पकड़ कर वृद्धाश्रम में क्यों नहीं रखता या फिर इनके पुनर्वास की व्यवस्था क्यों नहीं करता। यदि उसके बाद भी ये वहां से भागते हैं तो भीख मांगने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की जाती।

प्रतिष्ठा पर पुत रही कालिख

राजधानी में बढ़ रही भीख मांगने की समस्या कोई छोटी बात नहीं है। बुद्धिजीवी मानते हैं कि इस भिक्षावृत्ति से शहर की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। वहीं गुलाबीनगर विश्व के चुनिन्दा शहरों में शुमार किया जाता है। ऐसे में यहां पर सभी देशों से पर्यटक भ्रमण पर आते हैं। यहां महिला भिखारियों की कतारें देख कर वे आश्चर्य प्रकट करते हैं। जिससे वैश्विक पटल पर गुलाबी नगर की प्रतिष्ठा पर कालिख पोतने का कार्य ये भिखारी कर रहे हैं।

इनका कहना है

नगर निगम के साथ मिलकर हम समय-समय पर अभियान चलाते रहते हैं। वृद्धाश्रम में हम रखते नहीं हैं। इच्छा के विरुद्ध किसी को रख भी नहीं सकते।

–डॉ. अरुण चतुर्वेदी,
समाज कल्याण मंत्री।